got in this matter. We are trying to segregate some of these prisoners, we are trying to screen them, we are trying to screen the type of people who interview them, we are trying to expedite the investigation of the cases, we are trying to expedite the trial of the cases, so that the basic problem could be tackled and we may not have any case of such things happening.

I can only reiterate in the end, as I have done before, that the Government takes a very serious view of the situation. The judicial enquiry or enquiry by a High Court Judge is not going to take a long time. We want to expedite it as far as possible, and we will try to see that it is finished very soon.

12.49 hrs.

RE: QUESTION OF PRIVILEGE

MR. SPEAKER: Mr. Maurya has written to me that he wants to raise a question of privilege regarding an article which appeared in the *Nav Bharat Times*. He may take a few minutes.

श्री बी. पी. मौर्य (हापुड़) : अध्यक्ष जी, 4 अगस्त, 1971 के प्रश्न 1572 को लेकर जो यहां पर प्रश्न और उत्तर हुए थे, "नव भारत टाइम्स" हिन्दी दैनिक ने कुछ यहां की कार्यवाही से संबंधित और विशेष तौर से मेरे खिलाफ़ व्यक्तिगत दूषित, बहुत ही घिनौना और एक पत्रकार के स्तर से बहुत नीचे उत्तर कर उन्होंने अपने इस पत्र के द्वारा, प्रचार किया है। मैं 6 अगस्त, 1971 के अखबार से आप की अनुमति से कोट करना चाहता हूं, और आप से प्रार्थना करता हूं कि यह विशेषाधिकार का प्रश्न बनाया जाय।

"कुछ लोग हैं जो अपने को मौर्य कहते हैं, कुछ इतिहासकार हैं जो मौर्य का अर्थ जानते हैं, हमें नहीं मालूम ये कौन हैं, संसद सदस्य हो जाना काफ़ी हो जाना चाहिये था। गोस्वामी तुलसी दास न होते तो श्री बी. पी. मौर्य बुद्ध धर्म की दीक्षा लेने से पहले ही किसी मौलवी का पाजामा सिलते होते और वह भी निःशुल्क, अध्यक्ष महोदय।

"जम्हूरियत में एक बड़े मज़े की बात है। आदमी का अपना कद चाहे साढ़े चार फुट से भी छोटा हो (मैं तो पाँच फ़ुट तीन इंच हूं) लेकिन ऊंचे से आदमी के मुंह लगने लगता है। मुरा खानदान का हर बेटा चन्द्रगुप्त मौर्य नहीं हुआ करता। चन्द्रगुप्त मौर्य भी आचार्यों का आदर करते थे।"

अध्यक्ष महोदय, इस सदन् की यहां यह एक परम्परा रही है कि यहाँ जो भी चर्चा हो उस पर एक अच्छे ढंग से तो बाहर टीका की जा सकती है लेकिन यहाँ की सदन के अन्दर की चर्चा को लेकर बाहर उस पर इस तरह की टीका नहीं की जा सकती जोकि इस सदन् के किसी सम्मानित सदस्य को समाज की निगाह में गिराये या दूषित प्रचार उस के खिलाफ़ हो। मेरी आप से प्रार्थना है कि इस को विशेषाधिकार समिति के पास भेजा जाय।

MR SPEAKER: I have also read these comments very thoroughly. For the benefit of those who do not understand Hindi, this is the english translation:

> "It would have sufficed to be an M. P. Had Goswami Tulsidas not been there, Shri B P Maurya would have been found sewing the *pyjama* of some maulvi free of charge. Before embracing Buddhism..."

According to the practice and convention that we have always followed, I will send it to the Paper concerned.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) : अध्यक्ष महोदय, क्या यह सम्पादकीय लेख है या सम्पादक के नाम कोई पत्र है ? यह क्या चीज़ है ?

अध्यक्ष महोदय : यह "नवभारत टाइम्स" के दैनिक हिन्दी समाचार-पत्र में छपा है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : मैं स्पष्टीकरण चाहता हूं। क्या यह सम्पादकीय लेख है, व्यंग है अथवा यह कोई सम्पादक के नाम पत्र है ? यह क्या चीज़ है उस की ज़रा भूमिका बतलाइये।

अध्यक्ष महोदय : यह उस में रामायणी देश व विदेश नीति के अन्तर्गत लिखने वाला कोई "विवेकी" है बाकी आप जानिये। यह हिन्दी में है। लेकिन मैं कहूंगा कि कमेंट्स करते करते उसको इस लिमिट तक नहीं जाना चाहिए था कि मौर्य जी को इस तरह से कहां से कहां लेकर चले गये।

श्री राम सहाय पांडे (राजनन्दगाँव) : उन्होंने कभी पायजामा सिला ही नहीं था।

अध्यक्ष महोदय: इस तरह से मौलवी के साथ उनको जोड़ दिया और वह सब उन्हें कह दिया गया। मैं इस बारे में पेपर कंसनर्ड को लिखूंगा

श्री शशि भूषण (दक्षिण दिल्ली) : लेखक पायजामे के बाहर निकल गया।

अध्यक्ष महोदय : पायजामे के अन्दर रखना आप का काम है। वाजपेयी जी बहुत ज्यादा हंस रहे हैं। इन के लिए ज्यादा जरूरी है।

एक माननीय सदस्य : वाजपेयी जी तो धोती पहनते हैं।

MR SPEAKER : We will send it to the paper concerned. After that, if they express regret, I will pass it on to shri maurya. Otherwise, we will take it up again.

12.55 hrs.

RE : FLOOD SITUATION IN MALDA DISTRICT

SHRI DINESH JOARDER (Malda): Sir, I want to draw the attention of government to the flood situation in the district of Malda. Malda in North Bengal is under flood waters for the last fifteen days. About a million people have been affected by the flood and 10 lakhs acre of land with standing crop has been submerged. Sixteen lives have been lost and hundreds of cattle and thousands of houses have been washed away. Yet, no relief work has been undertaken and no attempt has been made to save the people from drowning and devastation. I want the Minister concerned to make a statement and, if possible, there should be a full discussion on the problem. The Government seem to be a callous to this situation. The Prime Minister visited the flood-affected areas of Bihar and UP but she did not go to West Benal, not to speak of Malda. I do not know whether it is for political reasons. Similarly, Shri Siddhartha Shankar Ray, the Ruler of West Bengal, instead of visiting the flood-affected areas and helping the poor in their distress, is conspiring against the struggling people of West Bengal. I want the Minister to make a statement.

MR. SPEAKER : As I told you, we have fixed a debate over it.

श्री दीनेन भट्टाचार्य, यह काम आप न किया करिये। रोज़ाना आप करते हैं।

The Minister will take note of this fact also and he should come out with a statement on the day the debate is held.

12.57 hrs.

RE : DISCUSSION ON INDO-SOVIET TREATY

SHRI P. K. DEO (Kalahandi) : Sir, the discussion on the Indo-Soviet Treaty should not be disposed of in three hours. It should be given at least five hours. The discussion under rule 193 may be taken up tomorrow or the day after. That is the feeling of the entire House.

MR. SPEAKER : I have heard him. I will consider his suggestion.